ब्रज में रतन राधिका गोरी

राधिका गोरी, राधिका गोरी,
ब्रज में रतन राधिका गोरी,
राधिका गोरी, राधिका गोरी,
ओ ब्रज में रतन राधिका गोरी.....-2

हर लिनी ब्रश भान भवन ते,
नन्द सुवन करी चोरी,
ओ ब्रज में रतन राधिका गोरी.....-2

गुथी भरी केश अंग कुस्मा बली,
ओर सुरंग कच डोरी,
ओ ब्रज में रतन राधिका गोरी.....-2

पिए भूज कंद दिए शोभित मन,
घन दामिनी दुती जोरी,
ओ ब्रज में रतन राधिका गोरी.....-2

कुंज निकुंज विहरत है दोऊ,
अरे यमुना तट बन खोरी,
ओ ब्रज में रतन राधिका गोरी.....-2

कृष्णा दास प्रभु गिरधर नागर,
नागरी नवल किशोरी,
ओ ब्रज में रतन राधिका गोरी.....-2

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23883/title/braj-me-ratan-radhika-gori

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |